

उ मराठी भाषींनी देशों को अभावद वीथण 'मोट' जमीन को
लोचिनाम के शाला पिथोपुल II ने 1876 ई. में
भाषीयन जिहा मोट मंत्राष्ट्रीय संस्था की स्थापना
में यूरोपीय देशों के मध्य भाषी विवादों का शांतिपूर्ण
राजे ।

- फ्रांसीसी ने जाँको की समस्या तथा अन्य विवादों के निपटारे के लिए माँगे की। यह नवंबर 1894 ई. से जून 1895 ई. तक चला। इसमें जाँको ने सभी यूरोपीय राज्यों को आपा-भाँट नोंपाबद्ध की व्यवस्था के लिए सम्मेलन संचालन के लिए एक भाषा की स्थापना हुई।
- जर्मन सम्मेलन में भूक्रीडा के शैक्षणिक व औद्योगिक विकास को ध्यान में रखा गया था, लेकिन यूरोपीय राज्यों ने भूक्रीडा को आपा-भाँट में जोड़ने के कई प्रयासों पर हार लेनी पड़ी।

विभिन्न यूरोपीय देशों के भूदृष्टि में वर्णन

क्रांत ⇒ अल-जिह्या, मोल्को, एडनिस, भाइवी मोल् भादि
इस्लाम ⇒ मिला मुल् की

इन्हें \Rightarrow मिल, धुन, दहीन भल्लीना, रोडिया केमा, नाइलीया

અમંતી = ઝેર, દુષ્કાર, પ્રભાવ, ગાંડ કોલ

उत्प्रेषण = अंगारक, धूलि मोक्षक